660. राजपूताने में 'वीर भारत सभा' का गठन किसने और कब किया था?

(a) अर्जुनलाल सेठी ने 1907 ई. में
(b) विजयसिंह पथिक ने 1908 ई. में
(c) रासबिहारी बोस ने 1909 ई. में
(d) केसरी सिंह ने 1910 ई. में

RPSC School Lecturer 2020 (14-12-2020)

Ans. (d) : शाहपुरा रियासत में 1872 को जन्में केसरी सिंह बारहठ एक उच्चकोटि के विद्वान एवं कवि थे। इन्होंने वर्ष 1910 ई. में 'वीर भारत सभा' नामक क्रांतिकारी संगठन की स्थापना राजस्थान में किया चेतावनी रा चूंगटिया इनकी प्रसिद्ध रचना है।

661. व्यक्ति, जिसने 'दूधवाखारा के किसान आन्दोलन' में महत्त्वपूर्ण योगदान दियाः

(a) ठाकुर सूरजमल सिंह
(b) हनुमान सिंह
(c) नैनूराम शर्मा
(d) बीरबल सिंह

RPSC School Lecturer 2020 (14-12-2020)

Ans. (b) : दूधवा-खारा किसान आन्दोलन (1942-48) की शुरूआत बीकानेर रियासत के चुरू से हुआ था। यह आन्दोलन जमींदारों के अत्याचार के खिलाफ शुरू हुआ था। इस आन्दोलन का नेतृत्व हनुमान सिंह, रघुवर दयाल गोयल एवं वैद्य मधाराम द्वारा किया गया था।

662. एकी आन्दोलन की शुरूआत 1921 ई. मोतीलाल तेजावत ने कहाँ से शुरू की थी?

(a) देवलिया (b) सांवलिया
(c) मण्डफिया (d) मातृकुण्डिया

Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022

Ans. (d) : एकी आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1921 में मोतीलाल तेजावत ने मातृकुण्डिया (चित्तौड़गढ़) से शुरू की। बाद में भील आंदोलन की मोतीलाल तेजावत, भोगीलाल पांड्या, हरिदेव जोशी के नेतृत्व में नई दिशा मिली। मेवाड़ भील संघर्ष के नेता मोतीलाल तेजावत ने अनुचित लाग-बागों एवं बेगार के विरोध में एकी आन्दोलन शुरू किया। मोतीलाल भीलों के मसीहा के नाम से प्रसिद्ध हुए।

663. 'मेवाड़ पुकार' नामक 21 सूत्रीय माँगपत्र किसने तैयार किया था?

(a) हरिदेव जोशी ने (b) गोविन्द गिरि ने
(c) माणिक्यलाल वर्मा ने (d) मोतीलाल तेजावत ने

Kanisht Abhiyanta (Civil) 18.05.2022

Ans. (d) : 'मेवाड़ पुकार' नामक 21 सूत्रीय माँगपत्र मोतीलाल तेजावत ने तैयार किया था। इन्होंने वर्ष 1921 ई. में पहली बार भीलों का एकी आंदोलन शुरू किया। एकी आंदोलन के तहत तेजवात के नेतृत्व में आदिवासियों ने 21 सूत्री मांगों को लेकर उदयपुर में धरना दिया।

664. 'गिंगोली (परबतसर) का युद्ध' (1807) लड़ा गया था-

(a) जयपुर और कोटा के मध्य
(b) कोटा और उदयपुर के मध्य
(c) जयपुर और जोधपुर के मध्य
(d) जयपुर और भरतपुर के मध्य

Kanisht Abhiyanta (Civil)-18.05.2022

Ans. (c) : जिंगोली का युद्ध (1807ई.) जयपुर एवं जोधपुर के मध्य लड़ा गया। यह युद्ध नागौर जिले में परबतसर के पास गिंगोली नामक स्थान पर जयपुर के शासक जगतसिंह एवं अमीर खाँ पिण्डारी की संयुक्त सेना तथा जोधपुर के शासक मानसिंह के मध्य हुआ। इस युद्ध में मानसिंह पराजित हुए। इस युद्ध को कृष्णा कुमारी विवाद के नाम से भी जाना जाता है।

665. निम्न में से किस स्वतन्त्रता सेनानी की जेल की यातनाओं के परिणामस्वरूप बरेली जेल में मृत्यु हो गई थी?

(a) जोरावरसिंह बारहठ (b) केसरी सिंह बारहठ
(c) प्रताप सिंह बारहठ (d) विजय सिंह पथिक

कनिष्ठ अनुदेशक कार्यशाला गणना एवं विज्ञान -2018

Ans. (c) : स्वतंत्रता संग्राम में अमिट छाप छोड़ने वाले शाही कुंवर प्रताप सिंह बारहठ को बनारस षड़यंत्र केस में जोधपुर के आशा नाडा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार करके अंग्रेज हुकुमत ने मुकदमा चलाया। उन्हें 5 वर्ष के कठोर कारावास की सजा मिली और उन्हें बरेली सेंट्रल जेल भेज दिया गया, जहाँ घोर यातनाओं के परिणामस्वरूप 7 मई, 1918 को जेल में उनकी मृत्यु हो गयी।

666. प्रतापसिंह बारहठ को किस केस के तहत बरेली जेल भेजा गया -

(a) अलीपुर षड्यन्त्र केस
(b) लाहौर षड्यन्त्र केस (प्रथम)
(c) बनारस षड्यन्त्र केस
(d) मेरठ षड्यन्त्र केस

ऍं शर्मिहर्मि अज्त्दर्ई 21.8.2016

Ans. (c) – उपरोक्त प्रश्न की व्याख्या–

667. 1883 में गोविन्द गिरि ने मेवाड़, डूंगरपुर, गुजरात और मालवा के भील और गिरासिया जाति के लोगों को संगठित करने के लिए किस सभा की स्थापना की?

(a) सम्प सभा (b) नीमड़ा सभा
(c) मीणा क्षेत्रिय महासभा (d) परोपकारिणी सभा

उद्योग निरीक्षक भर्ती परीक्षा- 2018 (24 जून, 2018)

Ans. (a) – वर्ष 1883 में गोविन्द गिरि (गुरू) ने मेवाड़, डूंगरपुर,गुजरात और मालवा के भील और गिरासिया जाति के लोगों को संगठित करने के लिए सम्प सभा की स्थापना राजस्थान के सिरोही जिले में की थी। इसका प्रथम सत्र 1903 में आयोजित किया गया था। इनके अनुयायी भगत कहलाये इस कारण इस आन्दोलन को भगत आन्दोलन कहा गया।

668. मेवाड़, डूंगरपुर, सिरोही, बाँसवाड़ा में स्वदेशी आंदोलन का नेतृत्व निम्न में से किसने किया था?

(a) दामोदरदास राठी (b) अर्जुनलाल सेठी
(c) स्वामी गोविन्द गिरि (d) जमनालाल बजाज

उद्योग प्रसार अधिकारी -2018 (22 जुलाई, 2018)

Ans. (c) – वर्ष 1905 में बंगाल विभाजन के बाद शुरू हुए स्वदेशी आन्दोलन से राजस्थान भी अछूता नहीं रहा। राजस्थान में स्वदेशी आन्दोलन सिरोही, डूंगरपुर,बांसवाड़ा एवं मेवाड़ में आरम्भ हुआ। सिरोही में 'सम्प सभा' नामक संस्था स्थापित की गयी। स्वामी गोविन्द गिरि के नेतृत्व में विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया। वर्ष 1908 में ब्रिटिश सरकार ने सम्प सभा को गैर कानूनी घोषित कर दिया।